an>

Title: Regarding problems posed due to sand mining in Bundelkhand region of Uttar Pradesh.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का समय दिया, उसके लिए मैं आपके प्रति धन्यवाद व्यक्त करता हूं।

महोदया, पर्यावरण एक ऐसा मुद्दा है, जिसकी चिंता आज प्रत्येक राष्ट्र कर रहा है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी पर्यावरण के मुद्दे को लेकर खासे चिंतित हैं। दिनोंदिन बढ़ रहे पर्यावरण असंतुलन के कारण प्राकृतिक आपदाओं का प्रकोप बढ़ रहा है। अभी हाल ही में उत्तर भारत में आया भूकंप इसका ताजा उदाहरण है। इस भूकंप के झटके मेरे लोक सभा क्षेत्र में भी महसूस किए गए। पर्यावरण असंतुलन के कारण दुनिया का भविष्य आज संकट में है।

महोदया, मैं बताना चाहता हूं कि पर्यावरण असंतुलन के कारण ही, मेरा संसदीय क्षेत्र, जो बुंदेलखण्ड के अंदर आता है, वह कई सालों से सूखे की मार झेल रहा है। मेरा लोकसभा क्षेत्र जालौन, गरौठा, भोगनीपुर, बुंदेलखण्ड के अंतर्गत है। यहां से कई नदियां निकलती हैं, जिससे यहां उच्च गुणवत्ता वाला बालू मिलता है। उसकी क़ीमत बाज़ार में अन्य बालू के मुक़ाबले कहीं अधिक है। अतः इसकी मांग के चलते मेरे क्षेत्र से बालू का खनन ज़ोरों से चल रहा है, जिसकी अभी तक पर्यावरण मंत्रालय द्वारा आवश्यक मंजूरी नहीं मिली है। इसके बावजूद भी यहां चोरी से बालू का खनन किया जा रहा है, जिससे सरकार को हानि के साथ-साथ पर्यावरण को भी बहुत नुकसान झेलना पड़ रहा है। इसके कारण किसान तबाह हो चुका है, जिसकी सिंचाई की एकमात्र उम्मीद भूगर्भीय जल पर टिकी हुई है। वह दिन-रात लगातार चल रहे बालू खनन के कारण धुंधली होती जा रही है। यह सर्वविदित है कि बालू खनन के कारण जल स्तर नीचे चला गया ह और ज़मीन की उत्पादक क्षमता भी घट गयी है। मेरे संसदीय क्षेत्र जालौन, गरौठा, भोगनीपुर के अधिकतर निवासी कृषक कार्यों से जुड़े हुए हैं। बालू खनन के कारण उन्हें खेती में लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा है। गिरते जल स्तर के कारण हैंड पम्प, हज़ारों बोरिंग और ट्यूबवेल फेल हो चुके हैं, जिसके कारण कई किसान अपने खेतों को पानी नहीं दे सके हैं। यह भी पर्यावरण से जुड़ा हुआ एक गंभीर मुद्दा है।

महोदया, बालू खनन के कारण मेरे क्षेत्र की कई नदियों की गहराई बढ़ गयी है, जिसके कारण वह अपने आगे का रास्ता तय नहीं कर पा रही हैं। आने वाले वर्षों में ये नदियां शायद अपना वजूद ही खो देंगी। खनन के आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को दमा और श्वास संबंधी अन्य बीमारियां हो रही हैं।

13.00hours

अतः मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि उत्तर प्रदेश के बुन्देलखंड क्षेत्र में चल रहे बालू खनन पर तत्काल प्रतिबंध लगाकर इन बालू के घाटों की नये आधार से केन्द्रीय समिति बनाकर समीक्षा की जाये कि कितने घाटों ने पर्यावरण मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण-पत्र लिये हैं और जो घाट बिना पर्यावरण मंत्रालय की अनापत्ति प्रमाण-पत्र के चल रहे हैं, उन्हें सदैव के लिए प्रतिबंधित कर दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई की जाये, ताकि बुन्देलखंड पर्यावरण असंतुलन के कारण होने वाली दैवीय आपदा की मार से बच सके। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री भानु प्रताप वर्मा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

जीरो ऑवर के जो मैटर्स बच गये हैं, वे शाम को छः बजे के बाद लिये जायेंगे।

The House stands adjourned to meet again at 2.00 p.m.

13.0 Â½ hours

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.

14.04 hours

The Lok Sabha re-assembled at Four-Minutes past

Fourteen of the Clock.

(Hon. Deputy-Speaker *in the Chair*)